विद्यस्यस्यस्यस्यस्य है विविश्वीधनागर मू० १॥।) विकारमबोध, जैनधर्मबोध,

अतमबोध, जैनधर्मबोध, है स्वसम्बेदबोध और धर्मबोध ए॰ १३०२ से १५०२ तक